विनोबा भावे विश्वविद्यालय,हजारीबाग

स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा/ शोध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP) 2020** के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय
स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

सत्र 2022–26 से प्रभावी

प्रथम समसत्र – व्याकरण (अ)

SAN-MJ-1
आधारभूत संस्कृत व्याकरण
शब्द रूप, धातु रूप, अनुवाद एवं कारक–विभक्त्यर्थ प्रकरणम्

द्वितीय समसत्र – व्याकरण (ब)

SAN- MJ-2
व्याकरण
संस्कृत संधि एवं समास प्रकरणम्
संज्ञा, (लघु सिद्धांतकौमुदी)

तृतीय समसत्र–काव्यशास्त्र

SAN-MJ-3	**SAN-MJ-4**
काव्यशास्त्र–प्रथम	काव्यशास्त्र – द्वितीय (अलंकार एवं छंद)

चतुर्थ समसत्र–दर्शन

SAN- MJ-5	**SAN- MJ-6**	**SAN- MJ-7**
गीता में आत्म–प्रबंधन (भारतीय ज्ञान–परंपरा का अवयव)	भारतीय दर्शन (अ)	भारतीय दर्शन (ब) (तर्कसंग्रह)

पंचम समसत्र–वैदिक साहित्य

SAN- MJ-8	**SAN- MJ-9**	**SAN- MJ-10**	**SAN- MJ-11**
वैदिक साहित्य का इतिहास एवं संवाद सूक्त	आख्यान एवं उपनिषद	चयनित वैदिक सूक्त	स्मृति साहित्य (आचारशास्त्र)

<table>
<tr><th colspan="5">षष्ठ समसत्र–काव्य</th></tr>
<tr><td>SAN-MJ-12
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘पद्य’
(उपजीव्य एवं महाकाव्य)</td><td>SAN-MJ-13
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘पद्य’
(कालिदास विशिष्ट)</td><td>SAN-MJ-14
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘गद्य’</td><td colspan="2">SAN-MJ-15
संस्कृत दृश्य काव्य
‘नाटक’</td></tr>
<tr><th colspan="5">सप्तम समसत्र (प्रतिष्ठा / शोध के साथ प्रतिष्ठा)</th></tr>
<tr><td rowspan="2">SAN-MJ-16
Research Methodology</td><td rowspan="2">SAN-MJ-17
भाषा विज्ञान</td><td rowspan="2">SAN-MJ-18
भारतीय अभिलेख</td><td colspan="2">SAN-AMJ-1</td></tr>
<tr><td colspan="2">RC-1</td></tr>
<tr><th colspan="5">अष्टम समसत्र (प्रतिष्ठा / शोध के साथ प्रतिष्ठा)</th></tr>
<tr><td rowspan="2">SAN-MJ-19
कर्मकाण्ड
एवं ज्योतिष</td><td rowspan="2">SAN-MJ-20
कौटिलीय
अर्थशास्त्र</td><td colspan="2">SAN-AMJ-2</td><td>SAN-AMJ-3</td></tr>
<tr><td colspan="2">RC-2</td><td>Research Internship/Project/Dissertation/Thesis</td></tr>
</table>

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम समसत्र
एवं
द्वितीय समसत्र

विषय –संस्कृत व्याकरण

प्रथम समसत्र	द्वितीय समसत्र
SAN - MJ-1	**SAN - MJ-2**
आधारभूत संस्कृत व्याकरण	संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धांतकौमुदी)
(शब्द रूप, धातु रूप, अनुवाद एवं कारक–विभक्त्यर्थ प्रकरणम्)	(संज्ञा, संधि एवं समास प्रकरणम्)

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

वेदाङ्ग के छः अंगो में व्याकरण एक है। एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में संस्कृत का अध्ययन–अध्यापन इस तरह से होना चाहिए कि इसमें विद्यार्थियों का प्रवेश सरलता से हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सर्वप्रथम संस्कृत व्याकरण के उन उपादेय तत्त्वों को जानना जरूरी है, जिससे वे किसी भी संस्कृत रचना को भली भाँति समझने में सक्षम हो सकें।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

संस्कृत व्याकरण का अध्ययन सर्वथा छात्रोपयोगी है।
कहा भी गया है कि

यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।
स्वजनो श्वजनो माऽभूतसकलं शकलं सकृत्षकृत्।।

इस रूप में व्याकरण का अध्ययन न केवल संस्कृत भाषा को शुद्ध रूप में जानने–समझने में सहायक होगा, अपितु प्रकारान्तर से इसके समुचित पठन–पाठन से विद्यार्थीगणों में संस्कृत की विशाल ज्ञान–राशि में विद्यमान भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो सकेगी।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम समसत्र

{प्रथम पत्र} [SAN - MJ-1]

आधारभूत संस्कृत व्याकरण

Credit 4 – {15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे + टयूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक –100 {मुख्य परीक्षा अंक 75 + आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक – 30 उत्तीर्णांक – 10 (8+2=10)

अवधि – 3 घंटे अवधि – 1 घंटे

इकाई 1 : (6 L+ 2 T)

- **शब्दरूप**

शब्दरूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्

इकाई 2 : (6 L+ 2 T)

- धातुरूप

लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में
पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हृ, दिव्, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव्।

इकाई 3 : (11 L+ 4 T)

- अनुवाद

संस्कृत से हिंदी में अनुवाद (अपठित संस्कृत गद्यांश)

हिंदी से संस्कृत में अनुवाद (अपठित हिंदी गद्यांश)

इकाई 4 : (22 L+ 6 T)

- **कारक–विभक्त्यर्थ प्रकरणम्**

अनुशंसित पुस्तकें :

- संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ? – (उमाकान्त मिश्र शास्त्री)
- रचनानुवाद कौमुदी – (कपिलदेव द्विवेदी)
- संस्कृत सहचर – (आचार्य राधामोहन उपाध्याय)
- बृहद अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री
- सिद्वांतकौमुदी (कारकप्रकरणम्) . डा. उमेशचंद्र पाण्डेय
- कारककौमुदी – प्रो. (डा.) रामानुज शर्मा ' ब्रह्मर्षि '

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक – 30) पूर्णांक – 75

'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई – 1 एवं इकाई – 2 से दो लघूतरीय प्रश्नों के उतर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई – 3 एवं इकाई – 4 से दो लघूतरीय प्रश्नों के उतर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में पाठ्य शब्दरूपों में से किन्हीं तीन शब्द के दो विभक्तियों (कारकों) के तीनों वचनों के रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छः शब्दरूप पूछे जाएँगे। (3 x 5 = 15)
- पंचम प्रश्न में पाठ्य धातुओं में से किन्ही तीन लकार में तीन धातुओं के सभी रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छः धातुरूप पूछे जाएँगे। (3 x 5 = 15)
- षष्ठ प्रश्न में एक अपठित संस्कृत गद्यांश प्रष्टव्य होगा जिसका हिंदी अनुवाद देय होगा। (15)
- सप्तम प्रश्न में एक अपठित हिंदी गद्यांश प्रष्टव्य होगा जिसका संस्कृत अनुवाद देय होगा। (15)
- अष्टम प्रश्न में कारक प्रकरण से तीन सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी, कुल छः सूत्र पूछे जाएँगें। (5x3 =15)
- नवम प्रश्न में कारक प्रकरण से तीन उदाहरणों की सूत्रोल्लेखपूर्वक व्याख्या करें। छः उदाहरण पूछे जाएँगे। (5x3 =15)

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक – 8) पूर्णांक – 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंक का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई – 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई – 3	एकादश सप्ताह	इकाई – 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई – 1	सप्तम सप्ताह	इकाई – 3	द्वादश सप्ताह	इकाई – 4
तृतीय सप्ताह	इकाई – 2	अष्टम सप्ताह	इकाई – 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई – 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई – 2	नवम सप्ताह	इकाई – 4	चर्तुदश सप्ताह	इकाई – 4
पंचम सप्ताह	इकाई – 3	दशम सप्ताह	इकाई – 4	पंचदश सप्ताह	इकाई – 4

विशेष :– विषय अध्यापन के कम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

द्वितीय समसत्र

{द्वितीय पत्र} [SAN - MJ-2]

संस्कृत व्याकरण

(संज्ञा, संधि एवं समासप्रकरणम्)

Credit 4 – {15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे + टयूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक –100 {मुख्य परीक्षा अंक 75 + आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन)}

उत्तीर्णांक – 30 उत्तीर्णांक – 10 (8+2=10)

अवधि – 3 घंटे अवधि – 1 घंटे }

लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित

इकाई 1 : (6 L+ 2 T)

- प्रत्याहार , संज्ञा, परिभाषा सूत्र एवं अच् संधि

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- हल् संधि एवं विसर्ग संधि

इकाई 3 : (8 L+ 3 T)

- समासप्रकरणम् (केवल, अव्ययीभाव, बहुव्रीहि एवं द्वंद्व)

इकाई 4 : (21 L+ 7 T)

- समासप्रकरणम् (तत्पुरुष)

अनुशंसित पुस्तकें :

- लघु सिद्धान्त कौमुदी –श्री धरानंदशास्त्री (मोतीलाल बनारसीदास)
- लघु सिद्धान्त कौमुदी चन्द्रिका – विजयमित्र शास्त्री (चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन)
- लघु सिद्धान्त कौमुदी – गोविन्दाचार्य
- समास–सन्दर्शिका – डा. बालगोविन्द झा
- लघुसिद्धांतकौमुदी (संज्ञा–संधि–समासप्रकरणयुता)

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक – 30) पूर्णांक – 75

'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई – 1 एवं इकाई – 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में छः संज्ञा व परिभाषा सूत्रों में से किन्हीं तीन की व्याख्या अपेक्षित होगी। (5 x 3 =15)
- पंचम प्रश्न में संधि एवं समास के सात सूत्रों में तीन की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। (5 x 3 =15)
- षष्ठ प्रश्न में अच् संधि के तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक संधिविच्छेद अपेक्षित है। कुल छः उदाहरण पूछे जाएँगे। (5 x 3 =15)
- सप्तम प्रश्न में हल् एवं विसर्ग संधि के तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक संधिविच्छेद अपेक्षित है। कुल छः उदाहरण पूछे जाएँगे। (5x 3 =15)
- अष्टम प्रश्न में अव्ययीभाव, बहुव्रीहि एवं द्वंद्व समास के तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक समास विग्रह अपेक्षित है। कुल छः उदाहरण पूछे जाएँगे। (5 x 3 =15)
- नवम प्रश्न में तत्पुरुष समास के तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक समास विग्रह अपेक्षित है। कुल छः उदाहरण पूछे जाएँगे। (5x 3 =15)

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक – 8) पूर्णांक – 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंक का होगा। (10 x 1 = 10)

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई – 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई – 2	एकादश सप्ताह	इकाई – 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई – 1	सप्तम सप्ताह	इकाई – 2	द्वादश सप्ताह	इकाई – 3
तृतीय सप्ताह	इकाई – 1	अष्टम सप्ताह	इकाई – 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई – 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई – 2	नवम सप्ताह	इकाई – 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई – 4
पंचम सप्ताह	इकाई – 2	दशम सप्ताह	इकाई – 3	पंचदश सप्ताह	इकाई – 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

तृतीय समसत्र

विषय –काव्यशास्त्र एवं छंद

SAN - MJ-3 काव्यशास्त्र– 1	**SAN - MJ-4** काव्यशास्त्र – 2 (रीति, अलंकार एवं छंद)

अध्ययन उद्देश्य (Objectives)_:

किसी भी काव्य–रचना के नियम निर्धारण के कियात्मक उद्देश्य से काव्यशास्त्र का उद्भव होता है। जिस प्रकार किसी भी भाषा–ज्ञान के लिए व्याकरण अपेक्षित है, उसी प्रकार किसी भी काव्य–रचना के अर्थज्ञान, सौन्दर्यबोध एवं रसास्वादन के लिए काव्यशास्त्र का। वेदों से लेकर राजशेखर ने

'काव्यमीमांसा'में इसे सप्तम वेदाङ्ग (. . . . . उपकारकत्वादलंकार: सप्तममङ्गम् दति यायावरीय:) एवं

पंचम विद्या (पञ्चमीसाहित्य–विद्या, इति यायावरीय: 'साहिचतसृणामपिविद्यानां निष्यन्द:') माना है।

इस दृष्टि से स्नातक के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि आगामी सत्रों में संस्कृत गद्य–पद्य एवं नाट्य की प्रमुख रचनाओं का रसास्वादन करने के पूर्व चतुर्थ सत्र में भारतीय काव्यशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं का परिचय प्राप्त कर लें।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

संस्कृत काव्यशास्त्र के अध्येता के रूप में चतुर्थ सत्र के विद्यार्थी किसी भी काव्य रचना के पीछे के प्रयोजन, काव्य निर्माण के उपादान हेतु, काव्य की शब्द–शक्तियों, काव्य में विद्यमान महत्वपूर्ण रसों, अलंकारों एवं छंदों (छन्द:पादौ तु वेदस्य) के विषय में मूलभूत जानकारी प्राप्त करते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

तृतीय समसत्र

{तृतीय पत्र} [SAN - MJ-3]

संस्कृत काव्यशास्त्र –1

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक**75**+आंतरिक परीक्षा अंक**25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. काव्यदीपिका – प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं षष्ठ शिखा

इकाई 1 : (2 L+ 1 T)

- काव्य प्रयोजन
- काव्यलक्षण

इकाई 2 : (8 L +3 T)

- वाक्य स्वरूप, शब्द एवं अर्थ विभाग,

इकाई 3 : (21 L+ 5 T)

- काव्यभेद, रसनिरूपण एवं रसभेद

इकाई 4 : (14 L+ 3 T)

- गुणस्वरूप एवं गुणविभाग

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> –

- श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित 'काव्यदीपिका'– व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित 'काव्यदीपिका'– व्याख्याकार पण्डित श्री रामगोविन्द शुक्ल

<u>संदर्भ पुस्तकें</u> :–

- श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर, संपादक डा. नगेन्द्र
- श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–संपादक डा. श्रीनिवास शास्त्री
- श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीतः साहित्यदर्पणः–व्याख्याकार डॉ० सत्यव्रत सिंह
- श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत : साहित्यदर्पणः (1–6 परिच्छेद) – आचार्य लोकमणिदाहाल : डा. त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, (7–10 परिच्छेद) – आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5 x 3 =15)**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **(5 x 3 =15)**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': **(10 x 1 = 10)**

- प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा।

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 2	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)** 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

तृतीय समसत्र

{चतुर्थ पत्र} [MJ-4]

काव्यशास्त्र– 2
(रीति, अलंकार एवं छंद)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक **75**+आंतरिक परीक्षा अंक **25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. काव्यदीपिका –सप्तम एवं अष्टम शिखा
2. छन्दोमंजरी

इकाई 1 : (2 L+ 1 T)

रीतिस्वरूप एवं रीति लक्षण एवं शब्दालंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष)

इकाई 2 : (4 L+ 2 T)

- अर्थालंकार
  उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, समासोक्ति, निदर्शना, दृष्टान्त

इकाई 3 : (19 L+ 4 T)

- अर्थालंकार
  दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि, अपह्नुति, अर्थान्तरन्यास

इकाई 4 : (20 L+ 4 T)

- छंद
  अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसंततिलका, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, हरिणी, स्रग्धरा, आर्या

<u>अनुशंसित पाठ्य पुस्तकें</u> :–

- काव्यदीपिका– श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- छन्दोमञ्जरी– डा. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
- छन्दोमञ्जरी– डा. परमेश्वरदीन पाण्डेय

<u>संदर्भ पुस्तकें</u> :–

- श्रीमम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर, संपादक डा. नगेन्द्र
- श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–संपादक डा. श्रीनिवास शास्त्री
- श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत: साहित्यदर्पण:–व्याख्याकार डा. सत्यव्रत सिंह
- श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत:साहित्यदर्पण: (1–6 परिच्छेद) –आचार्य लोकमणिदाहाल: डा. त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, (7–10 परिच्छेद) –आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी
- वृत्तरत्नाकरम्–श्री धरानन्द शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में 6 अलंकार दिए जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन अलंकारों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। (5x 3 = 15)
- पंचम प्रश्न में 6 छंद दिए जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन छंदों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। (5x 3 = 15)
- षष्ठ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। (5x 3 = 15)
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 एवं इकाई–3 में उल्लिखित अलंकारों में परस्पर अंतर से संबंधित 4 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (7.5x 2 = 15)
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 1 नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक–एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। (15 & 15)

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 3	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 2	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 3	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 3	नवम सप्ताह	इकाई– 4	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

विषय –भारतीय दर्शन

SAN - MJ-5	SAN - MJ-6	SAN - MJ-7
गीता में आत्म–प्रबंधन (भारतीय ज्ञान–परंपरा का अवयव)	भारतीय दर्शन (अ) (चार्वाक, बौद्ध, जैन, सांख्य, वेदांत व योग)	भारतीय दर्शन (ब) (मीमांसा, न्याय एवं वैशेषिक)

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

मानव मस्तिष्क के इतिहास में भारतीय दार्शनिक विचारधारा कभी अव्यवहारिक नहीं हो सकती है। संपूर्ण संसार में बौद्धिक दर्शन की ऐसी कोई भी ऊँचाई नहीं है, जहाँ तक भारतीय दार्शनिक विचारधारा की पहुँच नहीं है, चाहे वह बौद्धों का विलक्षण मनोवैज्ञानिक विश्लेषण हो या शंकर का विस्मय विमुग्धकारी दर्शन। चतुर्थ सत्र के तीन पत्रों के पाठ्यक्रम में भारतीय दर्शन के सभी प्रमुख मतवादियों के उन महत्वपूर्ण बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है, जिससे इस विषय से सर्वथा अनभिज्ञ विद्यार्थीगणों को कुछ ज्ञान प्राप्त हो सके और जहाँ तक संभव हो, उनके अंदर इसके प्रति रुचि जागृत हो सके।

तृतीय पत्र 'गीता में आत्मप्रबंधन' में गीता के उन महत्त्वपूर्ण श्लोकों का अध्ययन करना है, जिसके माध्यम से मनुष्य दैनन्दिन जीवन में आत्मप्रबंधन करने में सक्षम हो सकता है। सार्वभौमिक ग्रंथ गीता सदा से समस्त मानव जाति के मानसिक द्वंद्वों का निवारण कर उन्हें उचित दिशानिर्देश द्वारा जीवन पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहा है और इस उद्देश्य पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम सर्वथा उपयुक्त है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF)–

दर्शन के पाठ्यक्रम का अनुशीलन करके छात्र समझ पाते हैं कि

- वट–बीजन्याय की तरह संसार और कर्म की गति में अनादि संबंध है। ये दोनों स्वयं अनादि हैं।
- जीवन तथा दर्शन इन दोनों का चरम लक्ष्य एक ही है। उस परमतत्त्व की प्राप्ति के लिए 'दर्शन' सैद्धांतिक तथा 'जीवन' व्यावहारिक रूप है। दोनों में परस्पर एक घनिष्ठ संबंध है जिसके समझने से आनंद प्राप्त होता है।
- सभी दर्शन एक ही उद्देश्य से अर्थात् दुख की चरम निवृत्ति या परमानंद की प्राप्ति के लिए ही प्रवृत्त होते हैं अतएव एक ही मार्ग के सभी पथिक हैं। दृष्टिकोण के भेद से परस्पर भेद होना स्वाभाविक है, किंतु इनमें परस्पर वैमनस्य नहीं है।
- आत्मप्रबंधन हेतु गीता के पाठ्यांश समस्त मानसिक द्वंद्वों का निवारण करते हुए 'स्थितोऽस्मिगतसन्देह: करिष्ये वचनं तव' सदृश स्थितप्रज्ञ होने का रास्ता प्रशस्त करते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

{पंचम पत्र} [SAN - MJ-5]

गीता में आत्मप्रबंधन

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम–

1. श्रीमद्भगवद् गीता

इकाई 1 : गीता : संज्ञानात्मक एवं भावात्मक उपकरण (9 L+ 3 T)

- इन्द्रिय, मन, बुद्धि एवं आत्मा का पदानुक्रम (3/12 ; 15/7)
- प्रकृति के उत्पाद के रूप में मन (7/4)
- त्रिगुणधर्म एवं मन पर उसका प्रभाव (13/5-6; 14/5-8, 2/13; 14/17)
- त्रिविध आहार (17/7–10)

इकाई 2 : गीता : मन का नियंत्रण (10 L+4 T)

- संशय एवं आचरण, द्वंद्व का स्वभाव (l/1; l/45; 2/6; 4/16)
- नैमित्तिक तत्त्व–अज्ञान (2/41), इन्द्रिय (2/60), मन (2/67), रजोगुण (3/36-39; 16/21), मानसिक दुर्बलता (2/3; 4/5)

इकाई 3 : गीता : संशय निवारण का साधन (18 L+5 T)

- ज्ञान का महत्त्व (2/52; 4/38-39)
- बुद्धि की स्पष्टता (18/30-32)
- निर्णय करने की प्रक्रिया (18/63)
- इन्द्रिय नियंत्रण (2/59, 64)
- कर्तृभाव समर्पण (18/13-16; 5/8-9)
- इच्छाहीनता (l2/48; 2/55)

इकाई 4 : गीता : कर्तव्यनिष्ठा के द्वारा आत्म–प्रबंधन (8 L+3 T)

- अहंभाव समर्पण (2/7; 2/47; 8/7; 9/27; 11/55)
- तुच्छ वाद–विवाद का त्याग करना (4/11; 7/21; 9/26)
- नैतिक गुणों का ग्रहण (12/11; 12/13-19)
- कर्म प्रकार (3/)

अनुशंसित पुस्तकें:–

➢ गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. दीपक कालिया
➢ गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. विनोद कुमार
➢ श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य और कर्मयोगशास्त्र –बालगंगाधरतिलक
➢ गीता शांकरभाष्य सहित – गीता प्रेस गोरखपुर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1x5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई – 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। (10 x 1 = 10)

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2
पंचम सप्ताह	इकाई– 2

षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2
सप्तम सप्ताह	इकाई– 2
अष्टम सप्ताह	इकाई– 3
नवम सप्ताह	इकाई– 3
दशम सप्ताह	इकाई– 3

एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
त्रयादेश सप्ताह	इकाई– 4
चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

{षष्ठ पत्र} [SAN - MJ-6]

भारतीय दर्शन (अ)

(चार्वाक, बौद्ध, जैन, सांख्य, वेदान्त व योग)

Credit 4–{15∗4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 | उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे | अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम–

इकाई 1 : (18 L+ 5 T)

- चार्वाक दर्शन के मूलतत्त्व (प्रमाण विचार, अनीश्वरवाद आदि)
- जैनदर्शन के मूलतत्त्व (प्रमाणविचार, अहिंसा, त्रिरत्न, पुद्गल, अनेकान्तवाद, स्यादवाद, अनीश्वरवाद आदि)
- बौद्ध दर्शन के मूलतत्त्व (चार आर्यसत्य, अष्टांगमार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद, अनीश्वरवाद आदि)

आस्तिक दर्शन

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- सांख्य दर्शन के मूलतत्त्व (प्रमाण विचार, प्रकृति व गुण, पुरुष या आत्मा, सत्कार्यवाद, जगत की सृष्टि या विकास, मोक्ष, ईश्वर आदि)

इकाई 3 : (11 L+ 4 T)

- अद्वैत वेदान्त दर्शन के मूलतत्त्व (जगत विचार, जीव विचार, ब्रह्म विचार, अविद्या या अध्यास अथवा माया, तत् त्वम् असि, मोक्ष विचार, ईश्वर विचार, विवर्तवाद आदि)

इकाई 4 : (6 L+ 3 T)

योगदर्शन के मूलतत्त्व (अष्टांग साधन, ईश्वर की अवधारणा आदि) एवं मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय

अनुशंसित पुस्तकें:–

- भारतीय दर्शन–चटर्जी एवं दत्त
- भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–प्रो. संगमलाल पांडेय
- भारतीय दर्शन–चन्द्रधर शर्मा आलोचन एवं अनुशीलन
- भारतीय दर्शन–उमेश मिश्र
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा –प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
- भारतीय दर्शन– डा. राधाकृष्णन

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नो के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्य योजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)** 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम निर्मित **(FYUGP)**

चतुर्थ समसत्र

{सप्तम पत्र} [SAN - MJ-7]

भारतीय दर्शन (ब)

{आस्तिक दर्शन}

(मीमांसा, न्याय एवं वैशेषिक)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक **75+**आंतरिक परीक्षा अंक **25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

न्याय, वैशेषिक दर्शन एवं तर्कसंग्रह

इकाई 1 : (7 L+ 2 T)

- न्याय दर्शन के मूल तत्त्व (षोडश पदार्थ, प्रमाण विचार, ईश्वर का अस्तित्व , मोक्ष विचार)

इकाई 2 : (9 L+4 T)

- वैशेषिक दर्शन के मूल तत्त्व (पदार्थविचार, सृष्टिविचार, परमाणुवाद)

इकाई 3 : (7 L+3 T)

- तर्कसंग्रह (शेष अंश)

इकाई 4 : (22 L+ 6T)

- तर्कसंग्रह (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण)

अनुशंसित पुस्तकें:–

- भारतीय दर्शन–चटर्जी एवं दत्त
- भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–प्रो. संगमलाल पांडेय
- भारतीय दर्शन–चन्द्रधर शर्मा आलोचन एवं अनुशीलन
- भारतीय दर्शन–उमेश मिश्र
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा –प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
- तर्कसंग्रह–व्याख्याकार रामभजन शर्मा वात्स्यायन
- तर्कसंग्रह–व्याख्याकार तारिणीश झा
- तर्कसंग्रह–व्याख्याकार कांशीराम एवं सन्ध्या राठौड़
- **TARKA SANGRAH – YASHWANT VASUDEV ATHALYE & MAHADEV RAJARAM BODAS Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune**

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1x5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2. 5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5 x 3= 15)**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

पंचम समसत्र

विषय – वैदिक साहित्य एवं स्मृति साहित्य

SAN - MJ-8 वैदिक साहित्य का इतिहास	SAN - MJ-9 आख्यान एवं उपनिषद्	SAN - MJ-10 चयनित वैदिक सूक्त	SAN - MJ-11 स्मृति साहित्य आचारशास्त्र)

वैदिक साहित्य – अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का वैदिक साहित्य से सामान्य परिचय करवाना है।

वेद भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं तथा मानव जाति के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। वेद ही विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और विश्व कल्याण के प्रथम उद्घोषक हैं। इसमें ज्ञान और विज्ञान की सभी विधाओं का सूत्र रूप में उल्लेख है, अतएव मनु का कथन है –

- 'सर्वज्ञानमयो हि सः' 'वेदोऽखिलो धर्ममूलम्' मनुस्मृति (2.6)

अध्येता वेद रूपी ज्ञान महोदधि में जितनी गहराई तक जाएंगे, उतनी ही बहुमूल्य रत्न प्राप्त करने की संभावना होगी। सर्वोपरि, वेदों से हमारे देश में ऐसे आधारभूत मूल्यों की स्थापना हुई है, जो आज भी सांस्कृतिक एकता के आधार हो सकते हैं।

वैदिक साहित्य – अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF) :

वैदिक शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, कार्यक्षमता में वृद्धि ही नहीं होती, भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति भी वे सचेत होते हैं। इससे छात्र– छात्राएँ समृद्ध शिक्षा परंपराओं को आत्मसात करते हैं। जीवन में सक्षम होने के लिए वैदिक और सांस्कृतिक शिक्षा के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता है। वैदिक शिक्षा के सिद्धांतों को शिक्षा में जोड़कर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को भी साकार किया जा सकेगा।

स्मृति साहित्य : अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

जीवात्मा के कर्त्तव्यबोध की अभिव्यक्ति वेद हैं। मनु एवं याज्ञवल्क्य सदृश महर्षियों ने वैदिक विज्ञान को सर्व–साधारणोपयोगी बनाने के लिए धर्मशास्त्रों का निर्माण किया। वैदिक ज्ञान की स्मृति होने के कारण ही इसे 'स्मृति' शब्द से अभिहित करते हैं, *धर्मशास्त्रन्तु वै स्मृतिः* – मनु० 2.10

भारतीय आधारभूत व्यापक जीवनानुभव की उदात्त भावनाओं एवं सुनिश्चित व्यवस्थित व्यवस्थाओं की ओर शिक्षार्थी का ध्यानाकर्षण इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्येश्य है।

स्मृति साहित्य : अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF) :

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थीगण अपने अतीत के चिंतन–वैभव के गौरव की अनुभूति के साथ ही आज के अपने आचार–विचारों के मूल उत्स का परिचय प्राप्त कर पाते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{अष्टम पत्र} [SAN - MJ-8]

वैदिक साहित्य का इतिहास

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : (12 L+4 T)

- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में अंतर, वैदिक ऋषि एवं ऋषिकाएँ, देवता परिचय
- संहिताओं (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) का सामान्य परिचय), श्रुति एवं स्मृति का बलाबल विचार

इकाई 2 : (9 L+4 T)

- ब्राह्मण; आरण्यक एवं उपनिषद् के सामान्य लक्षण एवं विशेषताएँ

इकाई 3 : (14 L+4 T)

- वैदिक यज्ञ–
  हविर्याग (अग्निहोत्र, दर्श–पूर्णमास, आग्रायण इष्टि, पशुबन्ध, सौत्रामणि, पितृयज्ञ)
  सोमयाग (अग्निष्टोम, वाजपेय, राजसूय, अश्वमेध)
  पंचमहायज्ञ (ब्रह्म यज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, बलिवैश्वेदेव यज्ञ, अतिथि यज्ञ)

इकाई 4 : (10 L+3 T)

- वेदाङ्ग का सामान्य परिचय
  शिक्षा ; कल्प ; व्याकरण ; निरूक्त ; छन्द ; ज्योतिष

अनुषंसित पुस्तकें:–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डा. कपिलदेव द्विवेदी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति–वाचस्पति गैरोला
- वैदिक साहित्य का इतिहास–श्री गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- वैदिक साहित्य का इतिहास–जयदेव वेदालंकार
- वैदिक इन्डेक्स–मैकडोनेल और कीथ (रामकुमार राय)
- वैदिक साहित्य का इतिहास–आचार्य शेषराज शर्मा
- वैदिक साहित्य का इतिहास–पं. पारसनाथ द्विवेदी
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा –प्रो. हंसराज अग्रवाल

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1
पंचम सप्ताह	इकाई– 1

षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2
सप्तम सप्ताह	इकाई– 2
अष्टम सप्ताह	इकाई– 2
नवम सप्ताह	इकाई– 2
दशम सप्ताह	इकाई– 3

एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022– 2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{नवम पत्र} [SAN - MJ-9]

आख्यान एवं उपनिषद

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्
2. कठोपनिषद्
3. ईशावास्योपनिषद्
4. तैत्तिरीयोपनिषद्

इकाई 1 : (10 L+ 2 T)

- हरिश्चंद्रोपाख्यान

इकाई 2 : (16 L+5 T)

- कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय –तीनों वल्ली)

इकाई 3 : (10 L+4 T)

- ईशावास्योपनिषद् (1– 11 मंत्र), बृहदारण्यक उपनिषद (1/4/3, 2/4/10)

इकाई 4 : (9 L+4 T)

- तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षा वल्ली–प्रथम, द्वितीय एवं एकादश अनुवाक्)

अनुषंसित पुस्तकें:

- हरिश्चन्द्रोपाख्यान– डा. उमाशंकर शर्मा'ऋषि'
- कठोपनिषद–आचार्य डा. सुरेन्द्रदेव शास्त्री
- कठोपनिषद–श्री कीर्त्यानन्द झा
- कठोपनिषद–राजमणि पांडेय
- ईशावास्योपनिषद– डा. उर्मिला श्रीवास्तव
- तैत्तिरीयोपनिषद–व्याख्याकार स्वामी त्रिभुवन दास
- तैत्तिरीयोपनिषद–श्री सुरेश्वराचार्य (अनुवादक –राधेश्याम शास्त्री)
- ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस,गोरखपुर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{दशम पत्र} **[SAN - MJ-10]**

चयनित वैदिक सूक्त

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 | उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे | अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. अथर्ववेद
4. संवाद सूक्त

इकाई 1 : (18 L+ 4 T)

- ऋग्वेद

  अग्निसूक्त (1.1); हिरण्यगर्भ (10.121); नासदीय (10.129); वाक् (10.125)

इकाई 2 : (10 L+4 T)

- शुक्ल यजुर्वेद

  प्रजापति सूक्त **(XXXII-1-5)**

(7 L+3 T)

- अथर्ववेद

  पृथ्वीसूक्त (12.1) (U.N. Earth Charter 2000)

इकाई 4 : (10 L+4 T)

- संवाद सूक्त–

  पुरुरवा–उर्वशी संवाद; विश्वामित्र–नदी संवाद ; यम–यमी संवाद; सरमा–पणि संवाद।

अनुशंसित पुस्तक:–

➢ **THE NEW VEDIC SEECTION -TELANG & CHAUBEY**

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1x5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें।**(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

पंचम समसत्र

एकादश पत्र [SAN - MJ-11]

स्मृति साहित्य (आचारशास्त्र)

Credit 4 – {15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे + ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक –100 {मुख्य परीक्षा अंक **75** + आंतरिक परीक्षा अंक **25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक – 30 उत्तीर्णांक – 10 (8+2=10)

अवधि – 3 घंटे अवधि – 1 घंटे

इकाई 1 : (11 L+ 4 T)

- मनुस्मृति (प्रथम अध्याय)

इकाई 2 : (12 L+ 4 T)

- मनुस्मृति (सप्तम अध्याय)

इकाई 3 : (10 L+ 3 T)

- याज्ञवल्क्यस्मृति (आचार अध्याय)
  उपोद्घात प्रकरण, ब्रह्मचारि प्रकरण, विवाह प्रकरण, गृहस्थधर्म प्रकरण, भक्ष्याभक्ष्यप्रकरण

इकाई 4 : (12 L+ 4 T)

- याज्ञवल्क्यस्मृति एवं नारदस्मृति (व्यवहार अध्याय)
  साधारणव्यवहारमातृकाप्रकरण, असाधारणव्यवहारमातृकाप्रकरण, साक्षिप्रकरण, दायविभागप्रकरण , साहसप्रकरण

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> :–

- मनुस्मृति – शिवराज आचार्य
- मनुस्मृति – सुरेन्द्रनाथ सक्सेना
- मनुस्मृति – पं. रामेश्वर भट्ट
- मनुस्मृति (प्रथम – द्वितीयाध्याय:) – डा. गजाननशास्त्री 'मुसलगाँवकर'
- याज्ञवल्क्यस्मृति – उमेशचन्द्र पांडेय
- याज्ञवल्क्यस्मृति – पं. थानेशचन्द्र उप्रैति
- धर्मशास्त्रीय न्यायिक प्रकिया – नीलम यादव, चौखम्बा ओरियंटल प्रकाशन।

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक – 30)	पूर्णांक – 75

'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई – 1 एवं इकाई – 2 से दो लघूतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूतरीय प्रश्नों के उतर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2-5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगीं। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूतरीय प्रश्नों के उतर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई – 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई – 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई – 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई – 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक – 8) पूर्णांक – 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंक का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई – 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई – 2	एकादश सप्ताह	इकाई – 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई – 1	सप्तम सप्ताह	इकाई – 2	द्वादश सप्ताह	इकाई – 4
तृतीय सप्ताह	इकाई – 1	अष्टम सप्ताह	इकाई – 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई – 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई – 1	नवम सप्ताह	इकाई – 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई – 4
पंचम सप्ताह	इकाई – 2	दशम सप्ताह	इकाई – 3	पंचदश सप्ताह	इकाई – 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

षष्ठ समसत्र

विषय –संस्कृत काव्य

SAN - MJ-12 संस्कृत श्रव्य काव्य (पद्य) (उपजीव्य काव्य एवं महाकाव्य)	**SAN - MJ-13** संस्कृत श्रव्य काव्य (कालिदास विशिष्ट)
SAN - MJ-14 संस्कृत श्रव्य काव्य (गद्य)	**SAN - MJ-15** संस्कृत दृश्य काव्य –'नाटक'

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

यदि किसी देश का साहित्य उसकी संस्कृति का परिचायक है, तो संस्कृत साहित्य के अध्ययन का उद्देश्य प्रकारान्तर से भारतीय संस्कृति की अन्तरात्मा को समझने का प्रयास है।

विश्व के प्रत्येक साहित्य में प्रतिभा संपन्न कवियों के कतिपय ऐसे प्रभावशाली काव्य हुआ करते हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर परवर्ती कवि अपनी काव्य रचना करते रहे हैं। ऐसे प्रभावशाली काव्य को उपजीव्य या आधारभूत काव्य कहते हैं। भारतीय रचनाकारों को काव्य लेखन की समुज्ज्वल दृष्टि देने वाली ऐसी ही महत्वपूर्ण रचनाएँ आदिकाव्य रामायण व महाभारत हैं।

शास्त्रीय संस्कृत साहित्य की तीनों ही विधाओं (गद्य, पद्य एवं नाटकों) में काव्य रचना की पूर्ण प्रेरणा प्रदान करनेवाले इन आधारभूत ग्रन्थों एवं उनसे प्रेरित महाकाव्यों व नाटकों को पढने का तात्पर्य संस्कृत वाङ्मय के माध्यम से अपने गौरवषाली सांस्कृतिक अतीत से परिचित होना है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों का परिचय शास्त्रीय संस्कृत साहित्य की तीन सर्वप्रमुख विधाओं (पद्य, गद्य एवं नाटक) के रचयिता कालिदास, माघ, भारवि, बाणभट्ट व भास सदृश विद्वानों के बौद्धिक उत्कर्ष से होता है । इन तीनों प्रमुख विधाओं में प्रज्ञा की उर्वरता से रचित संस्कृत साहित्य वस्तुतः प्राचीन भारत के आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक एवं राजनीतिक जीवन का ज्वलन्त चित्रण है, इसलिए इन काव्यों के अध्ययन के जरिए छात्र–छात्राओं में प्रतिभा, महत्वपूर्ण चिंतन, मनन, रचनात्मकता और विचार का प्रसार होता है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)** 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

षष्ठ समसत्र

द्वादश पत्र **[SAN - MJ-12]**

संस्कृत श्रव्य काव्य –'पद्य'

(उपजीव्य काव्य एवं महाकाव्य)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक **75+**आंतरिक परीक्षा अंक **25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. रामायण
2. महाभारत
3. किरातार्जुनीयम्
4. शिशुपालवधम्

इकाई 1 : (10 L+ 4 T)

- उपजीव्य काव्य (आदिकाव्य रामायण एवं महाभारत)

  विषयवस्तु , तत्कालीन समाज, परवर्त्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्त्रोत, साहित्यिक महत्व

इकाई 2 : (10 L+ 4 T)

- महाकाव्य का लक्षण, संस्कृत के महाकाव्यों का परिचय

इकाई 3 : (10 L+3 T)

- किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग – श्लोक 1–30)

इकाई 4 : (10 L+ 4 T)

- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग– श्लोक 1–30)

<u>अनुषंसित पुस्तकें</u>:–

➢ संस्कृत वांग्मय का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ0 सूर्यकान्त
➢ संस्कृत साहित्य का इतिहास –आचार्य बलदेव उपाध्याय
➢ संस्कृत साहित्य का इतिहास–विन्टरनित्स कृत अनुवादक एवं परिवर्धक सुभद्र झा
➢ संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–आचार्य कपिलदेव द्विवेदी
➢ संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
➢ संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
➢ संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
➢ किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) –व्याख्याकार समीर शर्मा
➢ किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) –वेणीमाधव सदाशिव शास्त्री
➢ शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) –श्री रामजीलाल शर्मा
➢ शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) –आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5 x 3 = 15)**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **(5 x 3 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रंश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ समसत्र

त्रयोदश पत्र [SAN - MJ-13]

संस्कृत श्रव्य काव्य –'पद्य'

(कालिदास विशिष्ट)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. मेघदूतम्
2. रघुवंशम्
3. कुमारसंभवम्

इकाई 1 : (6 L+2 T)

- उपमा कालिदासस्य, गीतिकाव्य : स्वरूप, उत्पत्ति एवं विकास

इकाई 2 : (16 L+5 T)

- पूर्वमेघ (श्लोक– 1–25)

इकाई 3 : (13 L+ 4 T)

- रघुवंशम् (प्रथम सर्ग– श्लोक 1–25)

इकाई 4 : (10 L+4 T)

- कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग– श्लोक 1–25)

अनुशंसित पुस्तकें:–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – विन्टरनित्स कृत अनुवादक एवं परिवर्धक सुभद्र झा
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – आचार्य कपिलदेव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
- मेघदूतम् एक अनुचिन्तन – डॉ0 रंजन सूरी देव
- मेघदूतम् – डा. विश्वनाथ झा
- पूर्वमेघ–आचार्य रामकृष्ण आचार्य
- रघुवंश महाकाव्यम् (1–5) –हिन्दी टीकाकार श्री ब्रह्मशंकर मिश्र
- रघुवंश महाकाव्यम्– आचार्य धारादत्त मिश्र
- कुमारसंभवम् (पञ्चम सर्ग) – डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- कुमारसंभवम् –पं. परमेश्वरदीन पांडेय

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : <u>ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें।</u> **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : <u>ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।</u> **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

<u>लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश</u> :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : <u>ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे।</u> **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **<u>(10 x 1 = 10)</u>**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ सत्र

चतुर्दश पत्र [SAN - MJ-14]

संस्कृत श्रव्य काव्य

'गद्य'

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. गद्य काव्य (शिवराजविजय एवं कादम्बरी)

इकाई 1 : (6 L+ 4 T)

- गद्य की उत्पत्ति एवं विकास, कथा एवं आख्यायिका, 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति', संस्कृत गद्यकाव्य की विषिष्टता

इकाई 2 : (8 L+3 T)

- प्रमुख गद्यकार वैशिष्ट्य, सुबन्धु ,बाणभट्ट ,दण्डी ।

इकाई 3 : (16 L+ 4 T)

- शिवराजविजय (प्रथम नि:श्वास)

इकाई 4 : (15 L+ 4 T)

- शुकनासोपदेश (कादम्बरी)

अनुशंसित पुस्तकें:–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास –आचार्यबलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
- महाकवि श्रीमद् अम्बिकादत्तव्यासप्रणीत: 'शिवराजविजय' (प्रथम: निश्वास:) – डा. रमाशंङ्कर मिश्र
- महाकविश्रीमद्अम्बिकादत्तव्यासरचित'शिवराजविजयमहाकाव्यम्'(प्रथमो विराम:) – डा. विजयशंकर चौबे
- कादम्बरी–शुकनासोपदेश:–पं. रमाकान्त झा एवं पं. हरिहर झा
- कादम्बरी–शुकनासोपदेश:–व्याख्याकार: रामपाल शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 3	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ समसत्र

पंचदश पत्र [SAN - MJ-15]

संस्कृत दृश्य काव्य –'नाटक'

Credit 4 – {15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक **75+**आंतरिक परीक्षा अंक**25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. नाट्यशास्त्र : स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्

इकाई 1 : (8 L+3 T)

- नाट्यशास्त्र का इतिहास, उत्पत्ति एवं विकास, प्रमुख नाटककार

इकाई 2 : (13 L+5 T)

- नाटक, नायक, विदूषक, कंचुकी, अङ्क, प्रस्तावना, पताकास्थान, विष्कम्भक, प्रवेशक, नाटक में प्रयुक्त होनेवाले संकेत (प्रकाश, स्वगत, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित)

इकाई 3 : (10 L+ 3 T)

- स्वप्नवासवदत्तम् (पंचम अंक)

इकाई 4 : (14 L+4 T)

- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)

अनुषंसित पुस्तकें_:–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
- श्री कान्तिचंद्रभट्टाचार्य संकलित'काव्यदीपिका'(चतुर्थ शिखा)–व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- श्री कान्तिचंद्रभट्टाचार्य संकलित'काव्यदीपिका'(चतुर्थ शिखा)–व्याख्याकार पण्डितश्रीरामगोविन्द शुक्ल
- महाकवि भास प्रणीतं 'स्वप्नवासवदत्तम'् (पंचम अंक) –आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी'
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. सुधाकर मालवीय
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. वेदप्रकाश शास्त्री

संदर्भ पुस्तकें:–

दशरूपक– डा. भोलाशंकर व्यास

दशरूपक– डा. केशवराव मुसलगाँवकर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। (10 x 1 = 10)

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	एशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

SAN - MJ-16

शोध कार्यप्रणाली

Research Methodology

SAN - MJ-17

भाषा विज्ञान

SAN - MJ-18

भारतीय अभिलेख

निम्न में से किसी एक विकल्प का चयन

Bachelor's Degree (Honours) स्नातक उपाधि (प्रतिष्ठा)	Bachelor's Degree (Honours with Research) स्नातक उपाधि (शोध के साथ प्रतिष्ठा)
SAN - AMJ-1 काव्यशास्त्र, व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	**RC-1** Research Proposal

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

SAN - MJ-16

विषय – शोध कार्यप्रणाली

Research Methodology

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

‘ हिरण्यमयेन पात्रेण सत्यस्य अपिहितं मुखम् ’

हिरण्यमय पात्र प्रतीकात्मक शब्द है, जो माया और अज्ञान का द्योतक है। सत्य अर्थात ज्ञान अज्ञान के आवरण में छिपा रहता है। उसे निरावरण करने का कार्य तत्त्वदर्शी का है। इस अर्थ में शोध, खोज, अनुसंधान, अन्वेषण, गवेषणा प्रकाारान्तर से जिज्ञासा के औपचारिक रूप हैं एवं उपयुक्त सामग्री एवं स्त्रोतों के द्वारा तथ्यों को स्थापित करने और नए निष्कर्षों तक पहुँचने के माध्यम हैं। इसमें सर्वथा नूतन सृष्टि का नहीं, अज्ञात को ज्ञात करने का ही भाव है। यह ज्ञान के क्षेत्र में सार्थक सहयोग करने का अच्छा अवसर है। जीवन है, तो समस्या की उपस्थिति अवश्यंम्भावी है, ऐसे में शोधकर्ता समस्या से परिपूर्ण विश्व को बेहतर बनाने में निम्न तरीके से सहायता कर सकता है :–

- समस्त जटिलताओं और उसके निहितार्थ सहित विशेष समस्याओं को समझने में
- दूरदृष्टि और संभावनाओं को खोजते हुए व्यावहारिक समाधान पाने में
- उचित परिवर्तन के साथ समाधानोन्मुख कार्य करने में
- परिवर्तन की रणनीति की विगत में सफलता को खोजते हुए उस सफलता का समुचित मूल्याँकन करने में
- अभ्यास, कार्यक्रम एवं नीति को प्रभावी बनाकर उपयोग में लाने की अनुशंसा करने में

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थीगण किसी विशेष विषय का अत्यन्त गहराई से जानकारी प्राप्त करते हैं और उस आवरित ज्ञान को अनावरित करने में सक्षम होते हैं, जिसका वास्तविक परिवर्तन पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

{षोडश पत्र} [SAN - MJ-16]

शोध कार्यप्रणाली (Research Methodology)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 :

शोध परिचय : (12 L+ 5 T)

अर्थ, उद्देश्य और प्रेरणाएँ, शोध का महत्व, विशेषताएँ और सीमाएँ, शोध कार्य के घटक, शोध के प्रकार, अच्छे शोध के मानदंड

इकाई 2 : (12 L+ 4 T)

शोध समस्या, परिकल्पना, साहित्य समीक्षा और आँकडा संकलन :

शोध समस्या का अर्थ और स्रोत, शोध समस्या की विशेषताएँ, शोध परिकल्पना का अर्थ और प्रकार, साहित्य की समीक्षा का महत्व, चरों की पहचान, प्राथमिक और द्वितीयक डेटा स्रोतों के अवलोकन सहित डेटा संग्रह के विभिन्न तरीकों की खोज करना।

इकाई 3 : (12 L+ 4 T)

शोध प्रक्रिया :

विषय चयन, साहित्य पुनरावलोकन, शोध समस्या व परिकल्पना निर्माण, रूपरेखा निर्माण, सामग्री संकलन (स्त्रोत, पद्धति, चयन, वर्गीकरण, विश्लेषण तथा संयोजन), प्राक्कथन, भूमिका, विषय सूची, संकेत सूची, सन्दर्भ निर्देश, उद्धरण विधि, निष्कर्ष–निष्पादन, परिशिष्ट, नामानुक्रमणिका, संन्दर्भ ग्रन्थ सूची

इकाई 4 : (8 L+ 3 T)

शोध में नैतिकता :

साहित्यिक चोरी – परिभाषा, विभिन्न रूप, परिणाम, अनभिज्ञता में साहित्यिक चोरी, कॉपीराइट उल्लंघन, सहयोगात्मक कार्य, अच्छे शोधकर्ता के गुण।

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> –

- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान – डा. अभिराजराजेन्द्र मिश्र एवं डा. (श्रीमती) राजेशकुमारी मिश्रा
- शोधप्रविधि – डा. विनयमोहन शर्मा
- शोधप्रविधि – हरीश कुमार खत्री
- शोधप्रविधि – डा. संजीव कुमार जैन
- शोधप्रविधि – डा. राजपाल
- शोध – वैजनाथ सिंहल
- **Research Methodology – C R KOTHARI & GAURAV GARG**
- **Research Methodology and Project Work – Dr. A. Patrik, Santhi Vedula & Vanga Swathi Kumari**

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँग । **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5 x 3 = 15)**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **(5 x 3 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्य योजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

सप्तदश पत्र **[SAN - MJ-17]**

भाषाविज्ञान

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

व्याकरण भाषा–संबंधी 'क्या या किम् का उत्तर देता है' जबकि भाषाविज्ञान इससे आगे जाकर 'क्यों या कथम्' का उत्तर देता है। व्याकरण का संबंध एक भाषा से है और भाषाविज्ञान का अनेक भाषाओं से। इस रूप में भाषाविज्ञान का क्षेत्र व्याकरण की तुलना में व्यापक है, जिसकी विस्तृत जानकारी संस्कृत भाषा के अध्येता के लिए अपरिहार्य है। प्रागैतिहासिक काल की संस्कृति के ज्ञान का साधन के रूप में, व्याकरण के नियमों के दार्शनिक आधार के निरूपण में, अनुवाद, पाठ संशोधन, अर्थ–निर्णय में और वाक् चिकित्सा के साधन के रूप में भाषाविज्ञान का अध्ययन सर्वथा उपयोगी है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विज्ञानमूलक हो जाता है और वह प्रत्येक वस्तु के तत्त्वदर्शन की ओर अग्रसर होता है।
- यह ज्ञात होते ही कि संस्कृत भी उसी परिवार की भाषा है, जिस परिवार के अंग लैटिन, ग्रीक, जर्मन, फ्रेंच, रूसी, अवेस्ता, फारसी आदि भाषाएँ हैं, वे व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकृत कर विश्व–बंधुत्व की भावना से प्रेरित होते हैं।
- भाषाविज्ञान की अनेक विधाएँ ऐसी हैं, जिससे वह अन्य विज्ञानों से निकटतम संपर्क रखता है। विद्यार्थी पढने के क्रम में व्याकरण, साहित्य, मनोविज्ञान, शरीरविज्ञान, भूगोल, इतिहास, भौतिक विज्ञान आदि विषयों से सामान्यत: स्वत: परिचित हो जाता है। इस रूप में अंत:विषयक अध्ययन करने में भी यह उनका सहायक है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

सप्तदश पत्र [SAN - MJ-17]

भाषा विज्ञान

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. भाषाविज्ञान

इकाई 1 : (7L+2 T)

- भाषा की परिभाषा एवं उत्पत्ति, भाषा की विशेषताएँ,
  भाषा एवं वाक् में अंतर, भाषा एवं बोली में अंतर

इकाई 2 : (16L+5 T)

- भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक),

इकाई 3 : (12L+ 4 T)

- ध्वनिविज्ञान

इकाई 4 : (10L+4 T)

- वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान
  वाक्य के अनिवार्य तत्त्व (आकांक्षा, योग्यता और संनिधि), वाक्य के प्रकार (कर्तृ, कर्म और भाववाच्य), वाक्य के अवयव (उद्देश्य व विधेय), वाक्य के भेद,
  अर्थ के प्रकार, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- ➢ भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र –डा. कपिलदेव द्विवेदी
- ➢ भाषाविज्ञान की भूमिका– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा व दीप्ति शर्मा
- ➢ भाषाविज्ञान– डा. भोलानाथ तिवारी
- ➢ भाषाविज्ञान– डा. शिवबालक द्विवेदी
- ➢ तुलनात्मक भाषाविज्ञान– डा. पाण्डुरंग दामोदर गुणे
- ➢ सामान्य भाषाविज्ञान– डा. बाबूराम सक्सेना
- ➢ भाषाविज्ञान– डा. श्यामसुन्दर दास
- ➢ अद्यतन भाषाविज्ञान–पाण्डेय शषिभूषण 'शीतांशु'
- ➢ भाषाविज्ञान समीक्षा –हेमदेव शर्मा

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': <u>ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें।</u> **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : <u>ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।</u> **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रष्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

<u>लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश</u> :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : <u>ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे।</u> **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। <u>**(10 x 1 = 10)**</u>

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

अष्टादश पत्र	[SAN - MJ-18]
भारतीय अभिलेख	

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

पुरातत्त्व का योगदान विश्व परिदृश्य की तरह भारत में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारतीय परम्परा, संस्कृति और उसका स्वरूप पुरातात्त्विक साक्ष्यों यथा अभिलेखों के रूप में विद्यमान रहता है, जिनके आधार पर इतिहासकार इतिहास का निर्माण करते हैं। इस दृष्टिकोण से यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संस्कृत में लिखित अभिलेखों के माध्यम से विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों, कालानुक्रम, साहित्यिक तत्त्वों और अन्य महत्वपूर्ण विषय वस्तु से अवगत कराता है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF) :

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय अभिलेखों के अध्ययन के लिए सक्षम बनाते हुए भारतीय इतिहास के प्रति उनकी जानकारी को समृद्ध करेगा। वे अभिलेखों के माध्यम से सूचना एकत्र करते, उनकी तुलना करते एवं उनकी व्याख्या करते हुए इतिहास के पुनर्निमाण में समर्थ हो पाते हैं। भविष्य में जिन विद्यार्थियों की योजना पुरातत्त्वविज्ञान में अध्ययन की है, उनके लिए यह पाठ्यक्रम विशेष उपयोगी है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)** 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

सप्तम सत्र

अष्टादश पत्र [SAN - MJ-18]

भारतीय अभिलेख

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक **75+**आंतरिक परीक्षा अंक **25** (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 | उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे | अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. पुरालेखशास्त्र

इकाई 1 : (9 L+ 4 T)

पुरालेखशास्त्र का परिचय एवं अभिलेखों के प्रकार
प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के पुनर्निमाण में भारतीय अभिलेखों का महत्व
प्राचीन भारतीय लिपि का परिचय
अभिलेखों में प्रयुक्त प्रमुख संवत् (कलि संवत्, विक्रमसंवत्, शक संवत्, गुप्त संवत्,)

इकाई 2 : (10 L+3 T)

- मौर्योत्तरकालीन अभिलेख
  रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख
  खारवेल का हाथीगुम्फ अभिलेख

इकाई 3 : (16 L+ 4 T)

- गुप्तकालीन अभिलेख
  समुद्रगुप्त का प्रयाग स्तम्भ लेख
  चन्द्रगुप्त का मेहरौली लौहस्तम्भ लेख

इकाई 4 : (10 L+ 4 T)

- गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख
  हर्ष का बांसखेडा ताम्रपट्ट अभिलेख
  पुलकेशी द्वितीय का एहोल शिलालेख

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- उत्कीर्णलेखपंचकम् –झा बंधु
- भारतीय अभिलेख – एस.एस. राणा
- भारतीय पुरालिपि–राजबलि पांडेय
- अभिलेख मंजूषा–रणजीत सिंह सैनी
- डी.सी. सरकार–भारतीय पुरालिपि विद्या

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई–1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 1 [SAN - AMJ-1]

काव्यशास्त्र, व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट
2. लघुसिद्धांतकौमुदी
3- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन

इकाई 1 : (8L+ 3 T)

- काव्यशास्त्र परिचय

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट (प्रथम से चतुर्थ उल्लास)

इकाई 3 : (18L+6 T)

- व्याकरण (लघुसिद्धांतकौमुदी– तद्धित प्रकरण)
  अपत्याधिकार , चातुरार्थिक एवं शैषिक

इकाई 4 : (9 L+ 3 T)

- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन
  संस्कृत ध्वनियाँ एवं स्वर,
  संस्कृत तथा अवेस्ता

अनुशंसित पुस्तकें :–

- काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर
- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डा. भोलाशंकर व्यास
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र –डा. कपिलदेव द्विवेदी
- भाषाविज्ञान की भूमिका–आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा व दीप्ति शर्मा
- भाषाविज्ञान– डा. भोलानाथ तिवारी
- भाषाविज्ञान– डा. शिवबालक द्विवेदी
- तुलनात्मक भाषाविज्ञान– डा. पाण्डुरंग दामोदरगुणे
- सामान्य भाषाविज्ञान– डा. बाबूराम सक्सेना
- भाषाविज्ञान– डा. श्यामसुन्दर दास
- अद्यतन भाषाविज्ञान–पाण्डेय शषिभूषण 'शीतांशु'
- भाषाविज्ञान समीक्षा –हेमदेव शर्मा

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

[SAN - RC-1]

शोध प्रस्ताव – योजना एवं तकनीकें

(Research Proposal - Planning & Techniques)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 | उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे | अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम–

इकाई 1 : (11 L+ 4 T)

शोध अभिकल्प (Research Design) :

शोध अभिकल्प की परिभाषा व आवश्यक तत्व, विशेषताएँ और प्रकार, त्रुटियाँ, उपयुक्त अनुसंधान विधियों

इकाई 2 : (12 L+ 4 T)

शोध प्रस्ताव (Research Proposal) :

प्रस्तावना, शोध समस्या का चयन, अध्ययन का उद्देश्य, शोध रूपरेखा, प्रस्ताव की संरचना, समस्या और सीमाएं, परिशिष्ट, अनुक्रमणिका, संदर्भ ग्रंथ सूची (शोध प्रस्ताव लेखन)

इकाई 3 : (12 L+ 4 T)

शोध रिपोर्ट लेखन (Research Report Writing) :

शोध रिपोर्ट और उसका प्रारूप, रिपोर्ट का शीर्षक, सारांश की संरचना और मुख्य शब्द, अध्यायीकरण, अध्याय की सामग्री, जर्नल लेख व उसके घटक, शोध प्रबंध और उसके घटक, संदर्भ शैलियाँ और ग्रंथ सूची।

इकाई 4 : (10 L+ 3 T)

शोध में सांख्यिकी और ICT की भूमिका :

शोध में कंप्यूटर की भूमिका, मेंडली (Mendeley), एंडनोट (EndNote), टेबुलेशन जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा का रखरखाव और शोध डेटा एवं सॉफ्टवेयर उपकरणों का चित्रमय (Graphical) प्रस्तुतीकरण। वेब सर्च : इंटरनेट का परिचय, इंटरनेट और www का उपयोग, सर्च इंजन और उन्नत खोज उपकरणों (Tools) का उपयोग।

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> –

- शोध कार्यप्रणाली – रंजीत कुमार
- शोधप्रविधि – हरीश कुमार खत्री
- शोधप्रविधि – डा. संजीव कुमार जैन
- शोधप्रविधि – डा. राजपाल
- शोध – वैजनाथ सिंहल
- **Research Methodology & C R KOTHARI & GAURAV GARG**
- **Research Methodology and Project Work – Dr. A. Patrik, Santhi Vedula & Vanga Swathi Kumari**
- शोध प्रविधि (आज के संदर्भ में) – डा. विजयकुमार वेदालंकार एवं डा. अर्चना आर्य

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे । **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5 x 3 = 15)**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **(5 x 3 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना :

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1
पंचम सप्ताह	इकाई– 1

षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2
सप्तम सप्ताह	इकाई– 2
अष्टम सप्ताह	इकाई– 2
नवम सप्ताह	इकाई– 2
दशम सप्ताह	इकाई– 3

एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्य योजना में परिवर्तन संभव है।

अष्टम समसत्र

SAN - MJ-19

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

SAN - MJ-20

कौटिलीय अर्थशास्त्र

निम्न में से किसी एक विकल्प का चयन

Bachelor's Degree (Honours) स्नातक उपाधि (प्रतिष्ठा)	Bachelor's Degree(Honours with Research) स्नातक उपाधि (शोध के साथ प्रतिष्ठा)
[SAN - AMJ-2] वेद [SAN - AMJ-3] दर्शन	RC (Research Courses) - 2 Research Internship /Field Work/ Project/ Dissertation / Thesis (Credits - 8)

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

नवदश पत्र [SAN - MJ-19]

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

वैदिक संस्कृति के प्रधान अंग के रूप में 'कर्मकाण्ड' मनुष्यों की इच्छित कामना, कल्याण व लौकिक सुख–शांति तथा मन में संकल्पित अनेकानेक इच्छाओं की पूर्ति का साधन है और वेद के अंग (वेदचक्षु:) के रूप में 'ज्योतिष' भारतीय पारंपरिक वैज्ञानिक अध्ययन है। मनुष्य के भाग्याधीन जीवन में 'कर्मकाण्ड' तथा 'ज्योतिष' सुखी, निश्चिंत तथा बेहतर जीवनयापन में उसकी सहायता करते हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र मेंउपयोगी विषय के सार्वभौमिक महत्व को समझना है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- विद्यार्थीगण मनुष्य के दैनन्दिन जीवन में उपयोगी कर्मकाण्डों का परिचय प्राप्त करते हैं एवं
- लग्न, ग्रह और नक्षत्रों की दशा के माध्यम से मानव जीवन के महत्वपूर्ण संस्कार विवाह एवं आवश्यक कार्यों के मुहूर्त्त के विषय में उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

नवदश पत्र [SAN - MJ-19]

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

इकाई 1 : (11 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड
  यज्ञोपवीतविधि ,संध्या विधि (नित्य, नैमित्तिक, प्रायश्चित एवं उपासना) , प्राणायाम विधि ,पंचमहायज्ञ, तर्पण विधि , अग्निस्थापन विधि , स्वस्तिवाचन , गणेशाम्बिका पूजन , देवपूजा संकल्प, पुष्पांजलि, प्रदक्षिणा , विसर्जन , यजमान तिलक एवं आशीर्वाद मंत्र

इकाई 2 : (12 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड

  कलश स्थापन एवं पूजन, षोडशमातृका पूजन ,चतु:षष्टियोगिनी पूजन , नवग्रह पूजन , क्षेत्रपाल पूजन , पंचलोकपाल पूजन , दशदिक्पाल पूजन , दुर्गापूजन विधि , महालक्ष्मी पूजन , देव्यपराधक्षमापन स्तोत्र , शिवमहिम्नस्तोत्र।

इकाई 3 : (10 L+4 T)

- शीघ्रबोध
  विवाहप्रकरणम् (1–62)

इकाई 4 : (12 L+5 T)

- मुहूर्तचिन्तामणि: (वास्तु एवं गृहप्रवेश)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- बृहद् नित्यकर्मपद्धति – ठाकुर प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी
- श्री काशीनाथ भट्टाचार्य विरचित 'शीघ्रबोध'–व्याख्याकार डा. रामेश्वर शर्मा मिश्र
- मुहूर्तचिंतामणि– डा. सुरेशचन्द्र शास्त्री
- मुहूर्तचिंतामणि–पं. कपिलेश्वर शास्त्री
- नित्यकर्म पूजा प्रकाश – गीता प्रेस, गोरखपुर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': <u>ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें।</u> **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : <u>ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।</u> **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

<u>लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-</u>
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : <u>ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे।</u> (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। <u>(10 x 1 = 10)</u>

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

अष्टम समसत्र

विंशति पत्र	[SAN - MJ-20]
कौटिलीय अर्थशास्त्र	

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

अर्थशास्त्र में विवेचित राजनीतिक, आर्थिक, नैयायिक, सामाजिक, वास्तु विषयक व्यावहारिक नीति संबंधी सिद्धांत और क्रिया के समन्वित रूप से विद्यार्थियों का परिचय कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- अर्थशास्त्र के पाठ्यांशों के अध्येता विद्यार्थी भारत की उस समृद्ध बौद्धिक परंपरा से अवगत होते हैं, जिसमें एक पुस्तक में ही बहुविषयक अध्ययन की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं।
- समसामयिक प्रतिरक्षा अध्ययन में कूटनीतिक एवं विदेश नीति की समस्याओं के समाधान हेतु कौटिल्य के विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। प्रथमतः भू–राजनीतिक दृष्टिकोण का परिचय देते कौटिल्य के देशज विचार समुचित अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के स्थापन के संदर्भ में भारतीय सिद्धांतों के सूत्रपात की शब्दावली और दृष्टिकोण ही नहीं प्रदान करते हैं, बल्कि भारतीय शोध छात्रों को उन सूक्ष्मताओं से परिचित कराते हैं, जो अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर विदेशी विमर्श से विलुप्तप्राय हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

विंशति पत्र [SAN - MJ-20]

कौटिलीय अर्थशास्त्र
(विद्या, न्याय, अर्थ और राजनीति)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र (विद्या, न्याय, अर्थ और राजनीति)

इकाई 1 : (9 L+3 T)

- भारतीय अर्थशास्त्र की परंपरा, धर्मशास्त्र व अर्थशास्त्र का बलाबल विचार
- अर्थशास्त्र और विद्याविषयक विचार

  विनयाधिकारिक : पहला अधिकरण (प्रकरण 1 – 3)

इकाई 2 : (12 L+5 T)

- अर्थशास्त्र और न्याय–व्यवस्था

  धर्मस्थीय : तीसरा अधिकरण

  प्रकरण 56–57 (व्यवहारस्थापना विवाहपदनिबन्धाश्च)

इकाई 3 : (10 L+ 4 T)

- अर्थशास्त्र और अर्थ

  कण्टकशोधन : चौथा अधिकरण–प्रकरण 77 (वैदेहकरक्षणम्)

- अर्थशास्त्र एवं प्रकृतियों के गुण

  मण्डल योनि : छठा अधिकरण–प्रकरण 96 (प्रकृतिसम्पद:)

इकाई 4 : (14 L+ 3 T)

- अर्थशास्त्र और राजनीति

  सातवां अधिकरण: षाडगुण्य–प्रकरण 98–102

अनुशंसित पुस्तकें :–

- कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् – व्याख्याकार वाचस्पति गैरोला
- **Positive Background of Hindu Sociology – Benoy Kumar Sarkar, Motilal Banarasidas**

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

अष्टम समसत्र

अष्टम समसत्र

[SAN - AMJ-2]
वेद

[SAN - AMJ-3]
दर्शन

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम सत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 2 [SAN - AMJ-2]

वेद

Credit 4–{15*4= 60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100 {मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक एवं निरुक्त

इकाई 1 : (10 L+ 4 T)

- ऋग्वेद
  इन्द्र सूक्त (2.12), उषस् सूक्त (3.61),पुरुष सूक्त (10.90), नदी सूक्त (10.75)

इकाई 2 : (9 L+ 3 T)

- शुक्लयजुर्वेद
  शिवसंकल्पसूक्त (XXIV 1.6)
- अथर्ववेद
  राष्ट्राभिवर्धनम्

इकाई 3 : (13 L+ 4 T)

- ब्राह्मण एवं आरण्यक
  शतपथ ब्राह्मण (वेदि 1.2.5.1–10)
  तैत्तिरीय आरण्यक पंचमहायज्ञ II.10)

इकाई 4 : (13 L+ 4 T)

- निरुक्त (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

अनुशंसित पुस्तकें –

- THE NEW VEDIC SEECTION –II - TELANG & CHAUBEY
- यास्कप्रणीतं निरुक्तं– डा. उमाशंकर शर्मा ऋषि
- निरूक्त – आचार्य विश्वेश्वर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रष्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 3 [SAN - AMJ-3]

दर्शन

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक 75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 | उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे | अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. सांख्यकारिका, वेदान्तसार, तर्कभाषा, पातञ्जलयोगदर्शन

इकाई 1 : (10 L+ 3 T)

- ईश्वरकृष्णकृत 'सांख्यकारिका' (25 कारिका पर्यन्त)

इकाई 2 : (14 L+ 5 T)

- सदानन्दकृत 'वेदान्तसार'
  अनुबन्धचतुष्टय, अध्यारोप, ईश्वर की जगत्कारणता, ईश्वर का जगद्रूपकार्य (सूक्ष्म शरीर की उत्पत्ति एवं स्थूल शरीर की उत्पत्ति)

इकाई 3 : (11 L+ 3 T)

- श्रीकेशवमिश्र प्रणीत : 'तर्कभाषा'
  प्रमेयप्रकरणम्

इकाई 4 : (11 L+ 3 T)

- पातञ्जलयोगदर्शनम्
  प्रथम साधनपाद (सूत्र संख्या 1–39)
  द्वितीय साधनपाद (सूत्र संख्या 29–32)

अनुशंसित पुस्तकें –

- श्रीमदीश्वरकृष्णविरचिता गौडपादभाष्यसमन्विता 'साङ्ख्यकारिका'– पं. श्रीज्वालाप्रसाद गौड
- सांख्यकारिका– डा. रमाशंकर त्रिपाठी
- श्रीसदानन्दप्रणीत: वेदान्तसार–श्रीरामशरण त्रिपाठी शास्त्री
- श्रीसदानन्दप्रणीत: वेदान्तसार–गोविन्दाचार्य
- श्रीकेशवमिश्रप्रणीता तर्कभाषा–बदरीनाथ शुक्ल
- तर्कभाषा–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- पातञ्जलयोगर्शनम्–व्याख्याकार डा. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव
- पातञ्जलयोगदर्शनम्–डा. रमाशंकर त्रिपाठी
- पातञ्जलयोगदर्शनम् – डा. श्रीनारायण मिश्र
- सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य
- षड्दर्शन समुच्चय – हरिभद्र सूरि

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
  कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
  कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छः प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। 15
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रष्न पूछे जाएँगे। 15
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। 15

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। (1 x 5 = 5)
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (2.5 x 2 = 5)

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। (10 x 1 = 10)

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :—विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।